Class 3rd subject English 05.05.2021

Lesson 2. Birbal identifies the thief

पिछले online class मे आप इस lesson का भाव पढ चुके हैं ।एक बार फिर से मैं इस कहानी का अर्थ आपको बता रहा हूँ ।

16 वीं सदी की बात है ।मुगल शासक अकबर के दरबार मे अनेक विद्वान , संगीतकार, कलाकार रहते थे ।इन सबों के अलाबे उनके दरवार में बहुत प्रसिद्ध और होशियार लोगों की एक टोली थी जिन्हें नवरत्न कहा जाता था और उसी नवरत्न में बीरबल नाम का एक विद्वान भी था ।

एक बार साम्राट अकबर के एक मंत्री विक्रम वीर दरवार में उदास दिख रहा था ।अकबर ने पूछा तुम उदास क्यूँ हो?

उसने जबाब दिया " जहपनाह एक चोर ने पिछली रात मेरे घर से सभी कीमती सामान चुरा ले गया ।

अकबर ने कहा कि ये कैसे संभव हो सकता है जबकी तुम राज्य के सबसे सुरक्षित स्थान पर रहते हो?

अकबर ने कहा कि बीरबल सिर्फ तुम ही उस चोर को पकड़ सकते हो ।

बीरबल ने कहा कि यह काम जरुर किसी मंत्री का ही है ।कोई साधारण चोर यहाँ तक आने की हिम्मत नहीं कर सकता है ।

बीरबल ने एक गधे को मंगवाया और उसे एक पिलर मे बान्ध दिया ।फिर गढ़े के पूंछ में काला paint लगा दिया ।फिर सभी मंत्री से बारी बारी से गधे के पूंछ को छूकर **"मैने चोरी नही किया है "** ऐसा बोलने के लिए कहा ।

आलिम खान जो मंत्री था उसके हाथों मे काला paint नही लगा था जबकि सभी मंत्री जिसने भी गधे के पूंछ को छुआ उसके हाथों मे काला paint लगा था ।

आलिम खान चोरी पकड़ाणे के डर से उस गधे के पूंछ को छुआ ही नहीं ।

इस प्रकार बीरबल अपनी बुद्धिमानी से चोर को पकड़ लेता है ।

H.w:- **To write summary of story in notebook.**

Subject Tr Rohit kumar